संक्षिप्त समाचार

गर्मी पर अलर्ट हुआ चिकित्सा विभाग- अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम लगाने और पानी बिजली की पूरी व्यवस्था रखने की निर्देश

जयपुर। राजस्थान में गर्मी का मौसम शुरू होते ही प्रदेश का चिकित्सा विभाग भी अलर्ट हो गया है। चिकित्सा विभाग में गर्मी के कारण कई बार अस्पतालों में आग लग जाने की आशंकाओं के चलते सभी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों अस्पतालों में फायर फाइटिंग सिस्टम को दुरुस्त करने, उनकी चेकिंग करने और फायर फाइटिंग सिस्टम नहीं होने पर एनओसी लेकर उसे अस्पताल में लगवाने के निर्देश दिए हैं । इसके अलावा अस्पतालों में गर्मी की वजह से मरीज को पीने के पानी की कोई समस्या ना हो इसका उचित इंतजाम करने और बिजली सप्लाई निर्बाध रहे इसकी व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया है। हैल्थ विभाग के जन स्वास्थ्य निदेशक डॉक्टर रवि प्रकाश माथुर ने इसके आदेश जारी किए हैं उन्होंने कहा है कि जल्दी ही इन सब की समीक्षा बैठक भी की जाएगी।

अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ डीएसटी टीम की कार्रवाई

जयपुर। मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप अभियान के तहत ईस्ट जिले की डीएसटी टीम ने कानोता, खोनागोरियान व ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में दबिश देकर 13 किलो गांजे के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ईस्ट कावेंद्र सागर ने बताया कि डीएसटी टीम को कानोता ईलाके में गांजा बेचने की सूचना मिली। जिस पर टीम द्वारा कार्यवाही सोनू सिंह को गिरफतार कर उसके कब्जे से 10 किलो 850 ग्राम गांजा जप्त किया।

वहीं ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में टीम द्वारा कार्रवाई करते मुल्जिम चन्द्र सिंह उर्फ मिथून को गिरफतार किया गया। जिसके कब्जे से 01 किलो 65 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया। खोनागोरियान में अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए मुल्जिम महेन्द्र सिंह को गिरफतार किया गया। जिसके कब्जे से 840 ग्राम गांजा बिकी राशि 610 रूपये जप्त की गई। तीनों से गांजा लाने और सप्लाई करने के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

सीएचसी भवन में लाग लगने से लाखों का नुकसान

सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर में मित्रपुरा तहसील मुख्यालय पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) भवन में गुरुवार तड़के भीषण आग लग जाने से लाखों रुपये का नुकसान हो गया है।मेडिसिन स्टोर में रखे फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से ब्लास्टिंग होने के बाद पूरे मेडिसिन स्टोर में भीषण आग लग गयी जिसने पूरे अस्पताल को अपनी जद में ले लिया। करीब तीन घण्टे बाद सवाई माधोपुर से पहुंची दमकल ने दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बताया गया कि मित्रपुरा तहसील मुख्यालय पर दमकल की व्यवस्था नहीं होने की वजह से पहले वैकल्पिक संसाधनों से ही आग बुझाने के प्रयास शुरू किये गये। टैंकर मंगवाकर पानी की मोटर चलाई और आग बुझाने की कोशिश की गयी, लेकिन सफलता नहीं मिली। आगजनी में मेडिसिन स्टोर की सभी दवायें जलकर खाक होने के साथ अस्पताल के कई दरवाजे भी जलकर राख हो गये।

सरपंचों का दबाव आया काम, मनरेगा सामग्री मद में 300 करोड़ से अधिक राशि रिलीज

जयपुर। नरेगा सामग्री मद की लंबित राशि रिलीज कराने के लिए सरपंचों का लगातार दबाव अब रंग दिखाने लगा है। राज्य नरेगा विभाग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 की लंबित सामग्री राशि में से 300 करोड़ से अधिक राशि जिलों को रिलीज कर दी है। फिलहाल कुल राशि की 10.23 प्रतिशत राशि रिलीज की है। नरेगा आयुक्त शिवांगी स्वर्णकार ने जारी आदेशों में राशि खर्च करने के दिशा निर्देश भी तय कर दिए हैं। वंही वर्ष 2021-22 में 48 प्रतिशत राशि रिलीज की गई थी। नरेगा विभाग ने कई जिलों में राशि खर्च के लिए कुछ बाध्यता भी लगाई हैं। जिन जिलों की ग्राम पंचायतों में राज्य स्तरीय जांच दलों की भौतिक सत्यापन रिपोर्ट में कोई नियमों का उल्लंघन या बकाया प्रकरण लंबित हैं, उनमें तय नियमों के अनुसार पुराना प्रकरण निस्तारण के बाद ही राशि उपयोग करने की अनुमति मिलेगी। आवंटित राशि का उपयोग श्रम सामग्री मद अनुपात 60:40 से अधिक नहीं किया जा सकेगा।

मोदी को उल्टे पड़ रहे हथकंडे, दे रहे अजीबोगरीब बयान: गहलोत

जयपुर। लोकसभा चुनाव प्रचार में पीएम मोदी के भाषणों में कांग्रेस के घोषणा पत्र पर बार बार हमला बोलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पलटवार किया है। मोदी पर इन दिनों अजीबोगरीब बयान देने के आरोप लगाते हुए गहलोत ने कहा कि उनके बयानों पर लोग हंस रहे हैं।

अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने आरक्षण मुद्दे पर कहा कि मोदी को यह कहने की जरूरत क्यों पड़ी कि हम आरक्षण समाप्त नहीं करेंगे। देशवासियों को लगने लगा है कि बिना बहस किए जिस प्रकार से संविधान संशोधन किए हैं। लोकसभा,राज्यसभा में कानून पास किए गए तो लोगों को लगता है कि 400 पार की बात इसलिए कर रहे हैं कि उनको संविधान बदलना है। इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशी के केस में 376 जोड़कर डराते हुए पाला बदलवाया गया। एक तरफ 400 पार का नारा दे रहे हैं और दूसरी तरफ इस तरह की हरकतें कर रहे हैं। लगातार जीत रहे हो तो भी यह हथकंडे अपना रहे हो तो इसका मतलब हथकंडे उल्टे पड़ रहे हैं। पीएम मोदी के इन दिनों अजीबोगरीब बयान आ रहे हैं। दो भैंस

होगी तो एक भैंस कांग्रेस ले लेगी, यह क्या बयान है। हमारी कांग्रेस सरकार ने तो दो गाय और दो भैंस का बीमा किया था, हम तो यही सोच सकते हैं और यह पता नहीं कहां से मंगलसूत्र लेकर आ गए, कहां से भैंसें लेकर आ गए। कांग्रेस घोषणा पत्र का मुस्लिम लीग से सम्बंध बता दिया। प्रधानमंत्री से ऐसे बयान की उम्मीद नहीं कर सकते कि वो ऐसे बेतुके बयान देशवासियों को देंगे। कांग्रेस मेनिफेस्टो में जो गारंटी दी गई है, उन्होंने उस पर बहस शुरू कर दी। पहली बार देख रहा हूं कि मोदी खुद के मेनिफेस्टो की जगह कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर बोल रहे हैं। कांग्रेस मेनिफेस्टो में राहुल गांधी की 10 हजार किलोमीटर की यात्रा में आए देश के मुद्दों का निचोड़ है। मोदी अब उसकी आलोचना करने लगे हैं, व्याख्या करने लगे हैं। मोदी के आलोचना करने से कांग्रेस घोषणा पत्र और लोकप्रिय हुआ है और लाखों डाउनलोड हो रहे हैं।

गहलोत ने कहा कि लोग कम पढ़े लिखे हो सकते हैं, लेकिन उनका कॉमन सेंस शानदार है।जनता कब झटका देती है पता ही नहीं लगता, इस बार एनडीए सरकार चली जाए तो आश्चर्य मत करना। हमें तो अनुभव है। इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थीं जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए थे। इंडिया शाइनिंग के नारे के बावजूद वाजपेयी चुनाव हार गए थे। लोकसभा चुनाव में राजस्थान में जीत को लेकर कहा कि राजस्थान में डबल डिजिट में कांग्रेस जीत सकती है, राजस्थान में 22 जगह मैं खुद गया हूँ।

बाल विवाह को लेकर हाई कोर्ट ने चेताया, गांव के पंच-सरपंच होंगे जिम्मेदार

जयपुर। राजस्थान में होने वाले बाल विवाह पर हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि अगर राज्य के किसी गांव में बाल विवाह होता है तो इसके लिए पंच और सरपंच को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। राजस्थान में अक्षय तृतीया से पहले हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कोई बाल विवाह नहीं हो।

बाल विवाह को रोकने के लिए हस्तक्षेप की मांग वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट की एक खंडपीठ ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 लागू होने के बावजूद राज्य में बाल विवाह अब भी हो रहे हैं। अदालत ने कहा कि हालांकि अधिकारियों के प्रयासों के कारण बाल विवाह की संख्या में कमी आई है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। याचिकाकर्ताओं के वकील आरपी सिंह ने कहा कि अदालत को एक सूची भी उपलब्ध कराई गई जिसमें बाल विवाह और उनकी निर्धारित तिथियों का विवरण था। खंडपीठ ने कहा कि राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के अनुसार, बाल विवाह को प्रतिबंधित करने का कर्तव्य सरपंच पर डाला गया है। साथ ही कहा कि एक अंतरिम उपाय के रूप में हम राज्य को निर्देश देंगे कि वह राज्य में होने वाले बाल विवाह को रोकने के लिए की गई जांच के संबंध में रिपोर्ट मांगे और उस सूची पर भी पैनी नजर रखे जो जनहित याचिका के साथ संलग्न है।

ज्वैलर्स और हवाला कारोबारियों पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी

जयपुर। जयपुर के दो ज्वेलर्स ग्रुप और उनके सहयोगियों के घर और शोरूम पर आयकर विभाग की टीम की आज तीसरे दिन भी कारवाई जारी है। आज आयकर अधिकारियों ने ज्वेलर्स के 6 लॉकर खोले। इसमें बड़ी मात्रा में सोना और हीरे के जेवरात, इन्वेस्टमेंट से संबंधित दस्तावेज और जमीनों के कागजात मिले। दोपहर बाद तक आयकर अधिकारी दो और लॉकर खोल सकते हैं। इनकी जानकारी टीम को कल देर शाम को मिली थी।

वहीं, आयकर टीम की कोलकाता में लगभग सर्च पूरी हो चुकी है। दिल्ली में चार जगहों पर सर्च चल रही थी, जिसमें दो जगहों पर सर्च को बंद कर दिया गया है। जयपुर में आयकर की टीमें सभी जगहों पर काम कर रही है। यही कारण है की जेकेजे के सभी प्रतिष्ठान बंद हैं। गौरतलब है कि इनकम टैक्स टीम ने मंगलवार सुबह साढ़े 5 बजे तीन राज्यों में ज्वेलर्स ग्रुप पर छापेमारी की थी। जयपुर में ग्रुप के घर और शोरूम में सर्च किया गया था। साथ ही सर्च के दौरान सट्टे से जुड़े कागज भी मिले थे। आयकर से मिली जानकारी के अनुसार, कोलकाता में कई फर्जी कंपनियों के जरिए ये लोग सोने और चांदी का कारोबार कर रहे थे। टैक्स चोरी को लेकर भी कई जानकारी थी।

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई, 7 किलो अफीम का दूध बरामद

जयपुर। तस्करी रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह भाटी व सीओ पोकरण भवानी सिंह के सुपरविजन में समस्त थाना अधिकारियों एवं डीसीआरबी प्रभारी भीमराव सिंह को अधिक से अधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जयपुर। जैसलमेर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध जिले की टेक्ट टीम ने 24 घंटे के अंदर लगातार दूसरी बड़ी सफलता हासिल करते हुए थाना लाठी पुलिस के सहयोग से नाकाबंदी में एक लग्जरी कार स्कोडा में सवार 2 तस्करों को गिरफ्तार कर 7 किलो 312 ग्राम अफीम का दूध एवं बिक्री रकम 6,750 रुपए नगद बरामद किए हैं। पुलिस की टीम आरोपियों से उनके नेटवर्क एवं मादक पदार्थ की खरीद फरोख्त के संबंध में पूछताछ कर रही है। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल सिंह भाटी व सीओ पोकरण भवानी सिंह के सुपरविजन में समस्त थाना अधिकारियों एवं डीसीआरबी प्रभारी भीमराव सिंह को अधिक से अधिक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एसपी चौधरी ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर आने-जाने वाले वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। इसी दौरान हरियाणा नंबर की एक कार का चालक पुलिस टीम को देख भागने लगा। जिस घेर कर टीम ने पकड़ लिया।

कार की तलाशी में 7 किलो 312 ग्राम अफीम का दूध एवं 60750 रुपए नगद मिले। इस पर घटना में प्रयुक्त मादक पदार्थ एवं नगद रुपए जप्त कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर आरोपी ओमाराम बिश्नोई पुत्र भाकर राम एवं साकेत कुमार विश्नोई पुत्र घेवरचंद निवासी डोलीकला थाना कल्याणपुर जिला बालोतरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

मैरिज गार्डन योजना पर भूमाफिया सक्रिय, अतिक्रमणों की भरमार

जयपुर। लोकसभा चुनावों की आचार संहिता भू माफियाओं के लिए स्वर्णिम अवसर लेकर आई है। वर्ष 2014 में लांच की गई मैरिज गार्डन व फार्म हाउस योजना में भूखंडों पर भूमाफियाओं ने अतिक्रमण कर लिया। इन भूखण्डों की साइज अधिक होने से उस समय यह योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी थी और उसके बाद जेडीए ने इस योजना को थंडे बस्ते में डाल दिया था। दांतली ओवरब्रिज एवं रिंग रोड के बीच गोविंदपुरा रोपाडा में स्थित इस योजना पर अब भूमाफियाओं की नजर पड़ने पर रातों रात अवैध निर्माण शुरू कर दिए हैं। योजना के पास ही भूमाफियाओं ने लोगों को सस्ती दरों पर भूखंड बेचकर खुद की जेब तो भर ली लेकिन आने वाले समय में भूखंडधारियों पर जेडीए शिकंजा कसने की तैयारी कर रहा है। योजना के पास ही कब्जाधारियों की ओर से जय पपलाज माता, शहीद बाबा, भौमियां जी महाराज पितृदेव, जय भैरू बाबा मंदिर परिसर के बाद मुख्य सड़क पर ग्रीन पर्दे लगाकर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किए जा रहे हैं। जेडीए के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड 120 के पार्षद छोटूराम मीणा ने इसकी लिखित में शिकायत भी की थी। उन्होंने बताया कि शिकायत का परीक्षण करने के लिए जोन उपायुक्त से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी गई है और रिपोर्ट आने के बाद ही इस पर कार्रवाई की जाएगी।

दो महीने से की जा रही है शिकायत

नगर निगम जयपुर ग्रेटर के वार्ड 120 के पार्षद छोटूराम मीणा ने बताया कि शहर में मैरिज गार्डनों से आमजन को होने वाली परेशानी से राहत प्रदान करने के लिए जेडीए ने एक ही स्थान पर करीब 27 मैरिज गार्डनों के लिए वर्ष 2014 में योजना विकसित की थी लेकिन उस समय लोगों ने इस योजना में दिलचस्पी नहीं दिखाई और योजना मूर्त रूप नहीं ले पाई थी। अब इस योजना में लोगों ने कब्जे शुरू कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने करीब दो माह पूर्व भी शिकायत की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में नाड़ी परीक्षण के प्रशिक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला

जयपुर। देश के प्रख्यात नाड़ी वैद्य प्रो. गोविंद प्रसाद उपाध्याय एवं आचार्य संजय छाजेड़ भावी आयुर्वेद चिकित्सकों को नाडी परीक्षण पर देंगे जानकारी दी। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान मानद विश्वविद्यालय में रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग द्वारा दो दिवसीय नाडी विज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजीव शर्मा, देश के प्रख्यात नाड़ी वैद्य प्रो. गोविंद प्रसाद उपाध्याय एवं आचार्य संजय छाजेड़ ने किया। कुलपति प्रो संजीव शर्मा ने कहा आयुर्वेद की प्राचीन विधाओं को आगे ले जाना हम सभी का कर्तव्य है। रोग निदान ओर जांच के लिये आयुर्वेद में नाड़ी का बड़ा महत्व है। इन्वेस्टिगेशन ओरिएंटेड साइंस के साथ हमें हमारी क्लीनिकल साइंस को भी बढ़ाना होगा। आयुर्वेद

चिकित्सा के माध्यम से रोग निदान ओर आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिये आयुर्वेद पर हमेशा चर्चा होनी चाहिए, जिससे इस क्षेत्र में प्रभावी एवं सकारात्मक परिणाम आये। आयुर्वेद पद्धति के माध्यम से चिकित्सा एवं शिक्षा के लिये प्राचीन पद्धति के साथ नई तकनीक और नवाचारों का भी समय-समय पर समावेश किया जाना चाहिये। आज राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में नई तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भविष्य में विद्यार्थियों को नाड़ी परीक्षण को प्राचीन पद्धति के साथ नई तकनीक के माध्यम से सिखाने के लिये सिम्युलेशन तकनीक पर कार्य करने का प्रयास किया जायेगा। नाड़ी वैद्य प्रो. गोविंद प्रसाद उपाध्याय ने आयुर्वेद चिकित्सा में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिये नाड़ी प्रशिक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला के आयोजन पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की सराहना करते हुए कहा की किस तरह नाड़ी देखी जानी चाहिए, किस तरह से नाड़ी के दोषों का पता चलता है, किस तरह से रोगों की अवस्था का ज्ञान होता है और हमें आयुर्वेद चिकित्सा करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए यह सब हम नाड़ी की परीक्षण के माध्यम से जानने का प्रयास करते हैं।

क्या कोचिंग स्टूडेंट के लिए कोटा बन रहा है हादसों का शहर?

कोटा। शिक्षा नगरी कोटा के सिर पर कोचिंग संस्थानों के कारनामे हादसों का कलंक लगा रहे हैं। जनवरी से अप्रैल के चार माह में ही कोचिंग स्टूडेंट 29 हादसों को अंजाम दे चुके हैं। दस स्टूडेंट अब तक आत्महत्या कर चुके हैं और दो स्टूडेंट की संदिग्ध अवस्था में मौत हो चुकी है। छह स्टूडेंट ने आत्महत्या का प्रयास किया। सात विद्यार्थी कोचिंग छोड़कर लापता हुए जिन्हें पुलिस ने दस्तयाब किया। इनमें से एक छात्रा को गुरुवार को ही बरामद किया गया। इन चार माह के दौरान सबसे खराब दिन वह रहा जब एक कोचिंग छात्रा के साथ उसके ही चार साथियों ने बलात्कार कर कोचिंग नगरी को शर्मसार कर दिया। सवाल उठता है कि आखिर कोचिंग स्टूडेंट के लिए कोटा हादसों का शहर क्यों बन रहा है।

21 अप्रेल को छात्रा तृप्ति सिंह लापता हो गई। इसकी रिपोर्ट 23 अप्रेल को लिखाई गई। छात्रा 11 दिन तक गायब रही। पिछले चार माह में ही कोचिंग एरिया में ही एक वार्डन छात्रों को शराब बेचते पुलिस ने दबोचा। इसके साथ अलग अलग मामलों में 23 कोचिंग छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। चार माह में कोचिंग विद्यार्थी 29 हादसों को अंजाम दे चुके हैं।

बारह ने की अपनी ईहलीला समाप्त

- 23 जनवरी- कोचिंग स्टूडेंट मोहम्मद जैद ने की आत्महत्या
- 29 जनवरी- कोचिंग छात्रा निहारिका ने की आत्महत्या
- 1 फरवरी - नूर मोहम्मद ने की आत्महत्या
- 14 फरवरी- छात्र शुभ कुमार चौधरी ने की आत्महत्या
- 16 फरवरी - छात्र परिणीत राय की संदिग्ध मौत
- 19 फरवरी- शिवम राघव की संदिग्ध अवस्था में मौत
- 19 फरवरी-आत्महत्या करने के बाद रचित सौंधिया का शव मिला
- 9 मार्च - अभिषेक कुमार ने सेल्फोस खा कर दी जान
- 26 मार्च- मोहम्मद उरूज ने फांसी लगाई
- 27 मार्च- सौम्या ने फांसी लगाई
- 28 अप्रेल- हरियाणा निवासी छात्र सुमित ने फांसी लगाई
- 30 अप्रेल- धौलपुर निवासी छात्र भरत ने फांसी लगाई।

वहां केवल पैसों का व्यापार है

जैसा मेरे पुत्र के साथ हुआ वैसा किसी दुश्मन के साथ भी नहीं हो। मैं अब किसी भी अभिभावक को यह नहीं कहूंगा कि आप अपने बच्चे को कोटा भेजो। कोटा अब पहले जैसा नहीं रहा। वहां केवल पैसों का व्यापार है। आप अपने बच्चे को अपने पास ही रखो। आसपास अच्छी कोचिंग में भेज दो लेकिन कोटा भेजो तो उसके साथ रहो।

-गोविन्द सिंह(कोचिंग छात्र चंदन के पिता)

एडमिशन के लिए कोचिंग दिखाते हैं हवाई किला

देश में शासकीय कालेजों में एमबीबीएस के लिए कुल सीटें ही 28 हजार हैं और अकेले कोटा में दो लाख स्टूडेंट हैं। कोचिंग वाले बच्चे को एडमिशन से पहले रियलिटी नहीं बताते। अभिभावक और बच्चे के सामने हवाई किला खड़ा कर देते हैं। दूसरा पढ़ाई की कीमत इतनी अधिक है कि लोअर मिडिल क्लॉस के लिए इतना पैसा लगाना आसान नहीं होता फिर भी अभिभावक उस हवाई किले की चाह में अपना पैसा लगाते हैं। ऐसी स्थिति में जब बच्चा पिछड़ने लगता है तो वह जल्द हताश हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण हॉस्टल्स हैं। ज्यादातर हॉस्टल्स लीज पर हैं। ऐसे में उन्हें वह फैसिलिटी नहीं मिलती जो मिलनी चाहिए। इसके साथ पढ़ाई का प्रेशर तो कोचिंग ने बढ़ा दिया है लेकिन बच्चे की मेंटल हेल्थ पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता।

-हेमन्त राय

आत्महत्या हर किसी के लिए दर्दनाक

मुझे लगता है कि प्रशासन को इस पूरे सिस्टम को समझ कर नये नियम तैयार करने चाहिए। बच्चे की आत्महत्या हर किसी के लिए दर्दनाक है। इसके लिए माता-पिता की एक्सेप्टेशन को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है लेकिन यह पूरा सच नहीं है। बड़ा सच कोचिंग संस्थानों द्वारा दिखाए गए सपने का टूटना है। कोचिंग झूंठ की कच्ची मीनार हैं जो ऐसे कारनामों से अपना सच दिखा रही है।

-अजीम पठान शिक्षाविद्

प्रशासन के सभी अधिकारी कोचिंग संस्थानों के साथ हॉस्टल और पीजी का सर्वे कर रहे हैं। अधिकारी स्वयं संस्थानों की व्यवस्था देख रहे हैं और कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। हर कोचिंग के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी बच्चों को भी मोटिवेट कर रहे हैं।

-मुकेश चौधरी(एडीएम प्रशासन)